शनिवार
6, जून , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 117 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

राजगीर के 21 गर्म कुंडों के बीच यह एकमात्र शीतल कुंड, गुरु नानक देव जी के चमत्कार से जुड़ी है इसकी कहानी

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर का राजकीय मलमास मेला जैसे-जैसे अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। 17 मई से 15 जून तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले में देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच रहे हैं। धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण राजगीर इन दिनों आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

राजगीर अपने प्राचीन गर्म जल कुंडों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां कुल 22 कुंड हैं, जिनमें 21 कुंडों में गर्म जल निकलता है। इनके बीच एकमात्र शीतल जल का कुंड स्थित है, जिसे गुरु नानक शीतल कुंड के नाम से जाना जाता है। इस कुंड के समीप भव्य गुरुद्वारा भी स्थापित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचते हैं।

गुरुद्वारा के प्रधान ग्रंथी भाई मंजीत सिंह ने बताया कि सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी अपने जीवनकाल में धर्म प्रचार के लिए विभिन्न क्षेत्रों की यात्राएं करते थे। मलमास मेले के दौरान वे अपने शिष्यों के साथ राजगीर पहुंचे थे। उस समय भीषण गर्मी पड़ रही थी और उनके शिष्य प्यास से व्याकुल थे। आसपास उपलब्ध गर्म जल कुंडों का पानी पीने योग्य नहीं था, जिससे उनकी प्यास और बढ़ गई।

शिष्यों की परेशानी देखकर गुरु नानक देव जी ने एक स्थान की ओर संकेत करते हुए वहां खुदाई करने को कहा। मान्यता है कि उनकी कृपा से उस स्थान से शीतल और स्वच्छ जल निकल आया। समय के साथ वही स्थान गुरु नानक शीतल कुंड के रूप में प्रसिद्ध हो गया। आज भी श्रद्धालु इस पवित्र कुंड के जल को आस्था और श्रद्धा के साथ ग्रहण करते हैं तथा गुरु नानक देव जी की स्मृतियों को नमन करते हैं।

नगरनौसा डिग्री कॉलेज में 1 जुलाई से बजेगी पढ़ाई की घंटी

नगरनौसा (अपना नालंदा)। बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय डिग्री महाविद्यालय, नगरनौसा में 1 जुलाई 2026 से शैक्षणिक गतिविधियों का शुभारंभ किया जाएगा। इसे लेकर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं और निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने बताया कि राज्य सरकार, राजभवन एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। परिसर में फर्नीचर, कंप्यूटर, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, इंटरनेट, ब्लैकबोर्ड तथा डेस्क-बेंच जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर स्थापित यह राजकीय डिग्री महाविद्यालय ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का नया केंद्र बनेगा। इससे छात्रों को पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

डॉ. कुमार ने बताया कि प्रारंभिक चरण में हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विषयों में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गई है। नामांकन के इच्छुक विद्यार्थी पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि 30 जून तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी और 1 जुलाई से कक्षाओं का शुभारंभ उत्सवी एवं प्रेरणादायी वातावरण में होगा। महाविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक माहौल तथा आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजगीर जू सफारी में पौधारोपण, प्रतियोगिताएं आयोजित हुई

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजगीर जू सफारी परिसर में पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जू सफारी के अधिकारियों एवं कर्मियों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "एक पेड़ माँ के नाम" रहा, जिसके माध्यम से प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण का संदेश दिया गया।

पौधारोपण के बाद पर्यावरण संरक्षण विषय पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए क्विज, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के कुल 53 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण के प्रतिअपनी जागरूकता, रचनात्मकता एवं ज्ञान का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही 180 डिग्रीथिएटर में प्रदर्शित हो रही एनिमेशन फिल्म "द वाइल्ड कॉल" के निर्माण में सहयोग देने वाले कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राजगीर जू सफारी के निदेशक राम सुन्दर एम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं है, बल्कि इसे जन-आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम में सहायक वन संरक्षक अजय कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी शिवम सिन्हा, खुशबू सहित जू सफारी के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

मलमास मेले में बिछड़े 578 श्रद्धालु परिवारों से सुरक्षित मिलाए गए

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्वप्रसिद्ध राजगीर मलमास मेला 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। जिला पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार मेला थाना क्षेत्र एवं ब्रह्मकुंड परिसर स्थित राजगीर कंट्रोल रूम में खोया-पाया केंद्र का संचालन लगातार किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, खोया-पाया केंद्र में 4 जून 2026 तक कुल 578 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए। इनमें 186 बच्चे, 307 महिलाएं और 85 पुरुष शामिल थे, जो मेले की भीड़ के दौरान अपने परिवारजनों या प्रियजनों से बिछड़ गए थे।

प्रशासन और पुलिस की तत्परता से सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई की गई। संबंधित कर्मियों एवं पदाधिकारियों ने आधुनिक संचार व्यवस्था, उद्घोषणा प्रणाली तथा सतत निगरानी के माध्यम से सभी 578 गुमशुदा लोगों को सुरक्षित ढंग से उनके परिजनों से मिला दिया। इस उपलब्धि से श्रद्धालुओं ने राहत और संतोष व्यक्त किया है।

जिला प्रशासन ने बताया कि मलमास मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सहायता के लिए प्रशासन एवं पुलिस बल 24 घंटे सक्रिय हैं। मेले में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर श्रद्धालु खोया-पाया केंद्र या कंट्रोल रूम से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अपने बच्चों और परिजनों का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचना दें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज के छात्रों ने निकाली रैली

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज, हिलसा के छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को पहुंचाना तथा लोगों को हरित और स्वच्छ वातावरण के लिए प्रेरित करना था।

रैली का नेतृत्व गौतम ग्रुप हिलसा कैंपस के इंचार्ज अरविंद यादव ने किया। इस दौरान समूह के सभी कॉलेजों के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। रैली विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण बचाने, पेड़ लगाने और प्लास्टिक का उपयोग कम करने का संदेश देती रही।कैंपस इंचार्ज अरविंद यादवने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जीआईपी के प्राचार्य कुमार विक्रम, टीटीसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विश्वमोहन कुमार, एमएसआईएन की प्राचार्या प्रियंका कुमारी तथा गौतम इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य आशु मरकाम ने भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीणों से अपने घर-आंगन में कम से कम एक पौधा लगाने और प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने की अपील की। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए सहयोग का भरोसा दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गौतम समूह संस्थान में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गौतम समूह संस्थान के भागनबिगहा स्थित परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रबंधन, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से ही वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई। परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए, ताकि वातावरण को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषणमुक्त बनाया जा सके। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पौधारोपण एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

गौतम समूह संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत कुमार गौतम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी लोगों से नियमित रूप से पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की। संस्थान के सचिव त्रिपुरारी लाल ने कहा कि पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं और इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।कार्यकारी सचिव डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि पौधों की देखभाल हमें अपनी संतान की तरह करनी चाहिए। वहीं वरिष्ठ सचिव डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि पौधे वातावरण को शुद्ध रखने तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डी.पी. सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश्वर प्रताप सिंह ने सभी लोगों से अधिकाधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. रजना गुप्ता, शशिकांत वर्मा, रविकांत कुमार टोनी सहित कई शिक्षक, कर्मचारी तथा बी.एड. एवं डी.एल.एड. के प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

क्रियात्मक अनुसंधान प्रशिक्षण का समापन, 233 शिक्षकों ने प्राप्त किए प्रमाणपत्र

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय सह अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, बाढ़ में आयोजित पांच दिवसीय क्रियात्मक अनुसंधान कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हो गया। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, महेंद्रू (पटना) के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में नालंदा जिले के 233 शिक्षकों ने भाग लिया।प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे शिक्षकों ने बताया कि महाविद्यालय की विदुषी प्रभारी प्राचार्या निशा यादव के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उमस भरी गर्मी और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने प्रशिक्षण की व्यवस्था, निगरानी और कई सत्रों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। विशेष रूप से दिव्यांग प्रशिक्षुओं की सुविधा, भोजन, आवास तथा प्रमाणपत्र वितरण तक की व्यवस्था पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया।

शिक्षक अजय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान क्रियात्मक अनुसंधान की अवधारणा, अनुसंधान पद्धति, आंकड़ा संग्रह के उपकरणों का निर्माण तथा प्रतिदिन फीडबैक जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रशिक्षण में स्मिता सिन्हा, कुश कुमार, डॉ. मृत्युंजय कुमार, राहुल विकास तथा योग शिक्षक ओमपाल सहित कई प्रशिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।प्रतिभागियों ने बताया कि चेतना सत्र, समयबद्ध कक्षाओं और स्वच्छ वातावरण ने प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाया। प्राचार्या निशा यादव के प्रेरणादायक प्रसंगों ने शिक्षकों को प्रतिदिन नई ऊर्जा प्रदान की। अंतिम दिन प्रमाणपत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण का समापन उत्साहपूर्ण एवं खुशनुमा माहौल में हुआ।

शिक्षकों ने इसे अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

विश्व पर्यावरण गौरव सम्मान पाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए और बढ़ा संकल्प

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद् प्रो. श्याम नंदन प्रसाद को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्व पर्यावरण गौरव सम्मान-2026 से ऑनलाइन सम्मानित किया गया। इस सम्मान की घोषणा के बाद शिक्षा जगत, पर्यावरण प्रेमियों तथा उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद एक विशेष साक्षात्कार में प्रो. प्रसाद ने कहा कि यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से उनमें नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक सोच का संचार हुआ है, जिससे वे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को और अधिक गति देंगे।

प्रो. प्रसाद ने कहा कि मानव सहित सभी जीवों को वैश्विक पर्यावरण संकट से मुक्ति दिलाना उनके जीवन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने दृढ़ संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक उनके शरीर में प्राण और रक्त की एक बूंद भी शेष रहेगी, तब तक वे पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

प्रो. श्याम नंदन प्रसाद ने इस सम्मान के लिए पारर्व अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय धर्मार्थ न्याय के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राम रतन श्रीवास 'राधे-राधे' तथा पीआईयू ट्रस्ट के संस्थापक दिनेश्वर वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में और अधिक सक्रियता से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डायट नूरसराय में पोस्टर प्रतियोगिता हुआं आयोजित

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डायट नूरसराय, नालंदा एवं ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डी.एल.एड. प्रथम वर्ष (2025-27) के प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में प्रशिक्षुओं ने “प्रकृति से प्रेरणा”, “जलवायु के लिए” तथा “भविष्य के लिए” विषयों पर आकर्षक पोस्टर बनाकर पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिक असंतुलन और उनके समाधान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी प्राचार्य डॉ. मो. सरफराज आलम ने किया। उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन डायट व्याख्याता डॉ. ओमप्रकाश ने किया। इस अवसर पर वरीय व्याख्याता डॉ. पुष्कर कुमार, संगम भारती, प्रीती बरनाबास एवं शशिभूषण आनंद ने पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा उनसे निपटने के उपायों पर अपने विचार रखे। उन्होंने बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया के डायट समन्वयक डॉ. अनूप कुमार सिंह, डिजिटल नेट प्लेटफॉर्म समन्वयक अरविंद कुमार तथा स्कूल कॉम्प्लेक्स समन्वयक गुड्डू कुमार शाह ने प्रशिक्षुओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंग-बिरंगे पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरणीय समस्याओं और उनके समाधान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नालंदा उद्यान महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, नूरसराय में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण और हरित जीवनशैली जैसे विषयों पर अपने विचार रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने पोस्टरों और तर्कपूर्ण विचारों के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी होगी।

कार्यक्रम में डॉ. सी. एस. आजाद, डॉ. महेश, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सीमा, डॉ. सरदार सुनील सिंह, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ए. पी. सिंह, डॉ. दिव्या तिवारी, डॉ. अजीत, डॉ. आनंद, डॉ. आरती, डॉ. नेहा सिन्हा तथा डॉ. जया कुमारी सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। पर्यावरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

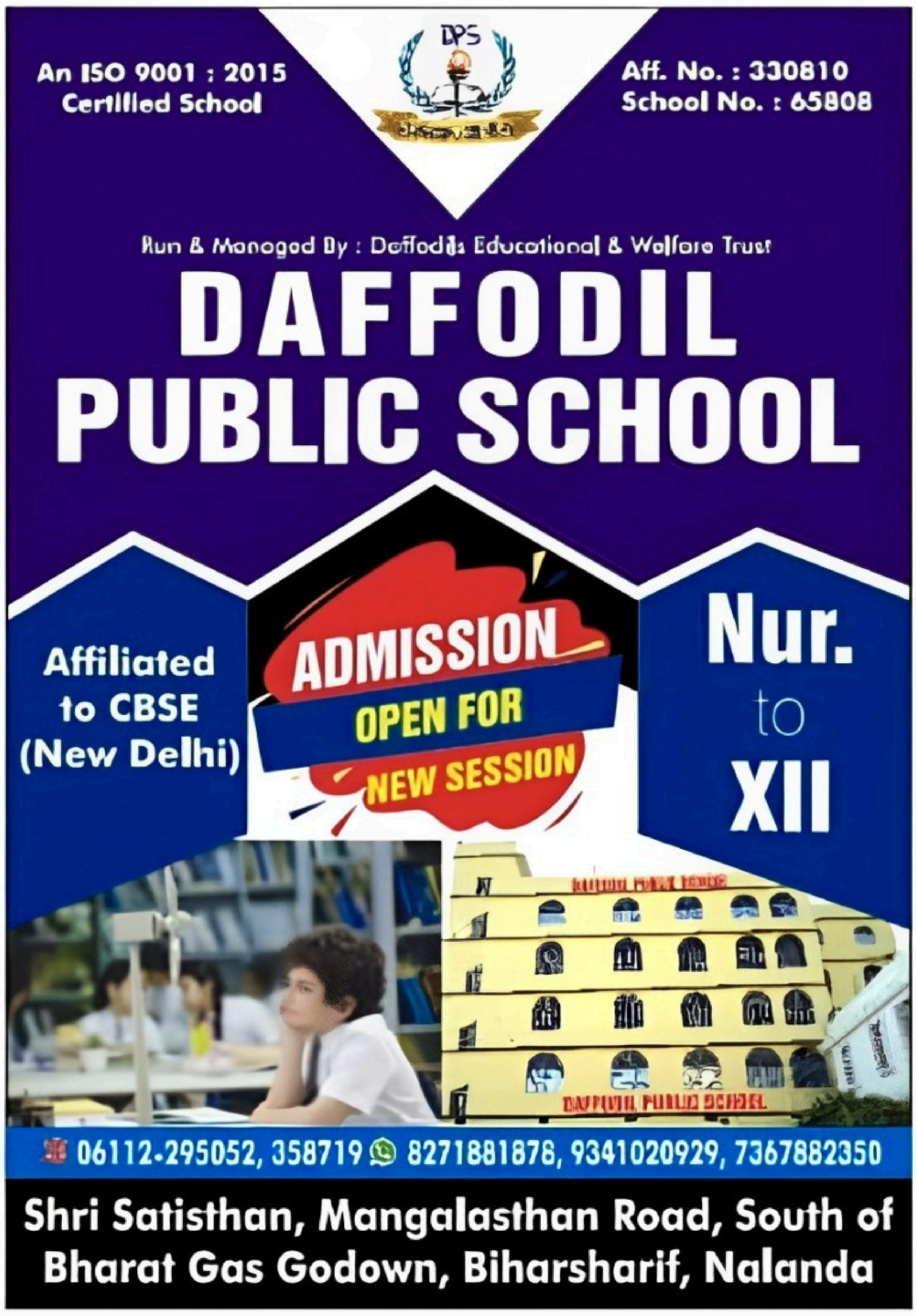

जनसुनवाई में सुनी गईं लोगों की समस्याएं, त्वरित समाधान के निर्देश

पटना (अपना नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव तथा मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्राप्त शिकायतों और मांगों के शीघ्र एवं विधिसम्मत समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मीडिया से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने की घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और गंभीर है। घटना की जांच की जा रही है तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।आवास आवंटन को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि सरकार निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के तहत ही आवास का आवंटन करती है, इसलिए इस संबंध में उत्पन्न विवाद अनावश्यक है।वहीं मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेशभर से आने वाले लोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी सोच के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में प्रदेश कार्यालय में सोमवार से शुक्रवार तक नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि लोगों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जा सके।

कोलकाता में भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार शशि भूषण

कोलकाता/वैशाली (अपना नालंदा)। बिहार के वरिष्ठ पत्रकार, मानवाधिकार टुडे के संपादक एवं वैशाली इंटरनेशनल विद्यापीठ के संस्थापक डॉ. शशि भूषण कुमार ने भारत की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्था भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन (आईएससीए) के मुख्यालय का भ्रमण किया। उनके आगमन पर संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी सचिव डॉ. अतुल कुमार ने उनका स्वागत किया और संस्था के इतिहास, उद्देश्यों तथा गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. अतुल कुमार ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1914 में प्रोफेसर जे.एल. सिमोनसेन और प्रोफेसर पी.एस. मैकमोहन द्वारा की गई थी। इसका प्रथम अधिवेशन 15 से 17 जनवरी 1914 तक कोलकाता की एशियाटिक सोसाइटी में आयोजित हुआ था, जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन कुलपति सर आशुतोष मुखर्जी ने की थी। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना, विज्ञान को लोकप्रिय बनाना तथा प्रतिवर्ष विज्ञान कांग्रेस का आयोजन करना है, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक और प्रधानमंत्री तक शामिल होते हैं।

इस दौरान डॉ. शशि भूषण कुमार ने वैशाली इंटरनेशनल विद्यापीठ एवं मानवाधिकार टुडे की ओर से डॉ. अतुल कुमार को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उन्हें वैशाली में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

बातचीत के दौरान वैशाली इंटरनेशनल विद्यापीठ द्वारा मातृभाषा, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की गई। इस अवसर पर डॉ. उर्वशी श्रीवास्तव, डॉ. पांडे एवं पत्रकार आदिल प्रवेश भी उपस्थित थे।

पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित हुए पर्यावरणविद् प्रो. श्याम नंदन प्रसाद

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रो. श्याम नंदन प्रसाद को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए पर्यावरण मित्र सम्मान-2026 से ऑनलाइन सम्मानित किया गया। यह सम्मान कमला देवी जनसेवा संस्थान, सीकर (राजस्थान) द्वारा प्रदान किया गया।

सम्मान की घोषणा होते ही शिक्षा जगत, पर्यावरण प्रेमियों और समाज के विभिन्न वर्गों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में प्रो. प्रसाद के लंबे समय से किए जा रहे समर्पित प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

एक विशेष साक्षात्कार में प्रो. श्याम नंदन प्रसाद ने कहा कि इस प्रतिष्ठित सम्मान को प्राप्त कर वे भाव-विभोर हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान ने उनमें नई ऊर्जा, उत्साह, चेतना और सकारात्मक सोच का संचार किया है। अब वे और अधिक प्रतिबद्धता एवं गति के साथ पर्यावरण संरक्षण तथा जन-जागरूकता के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विश्व पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आए। उन्होंने मानव सहित सभी जीवों को

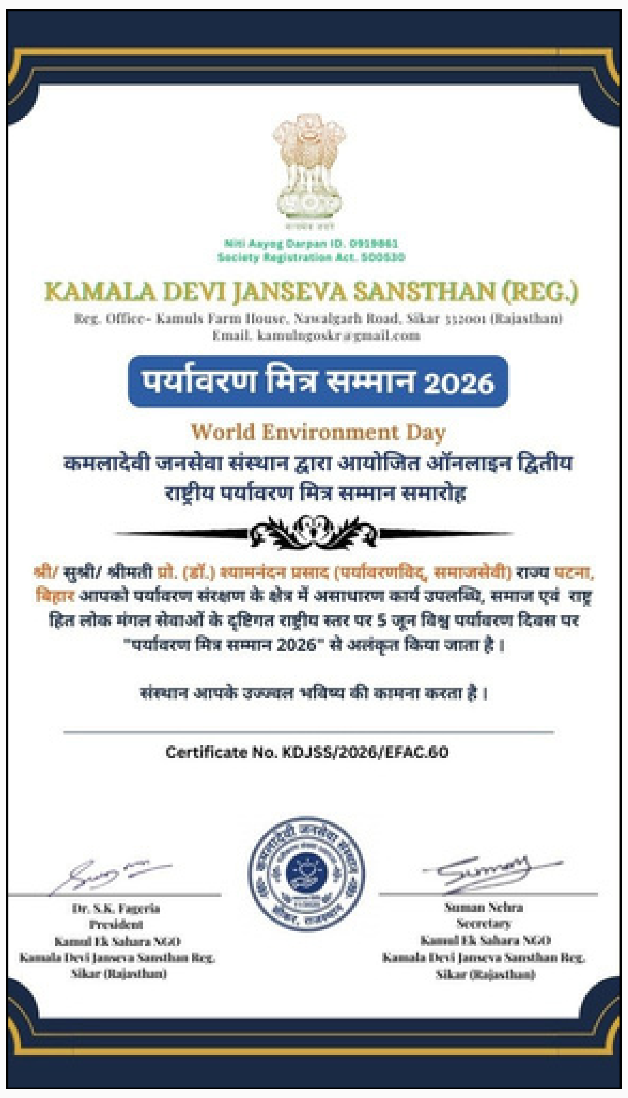

Niti Aayog Darpan ID. 0919861
Society Registration Act. 500530

KAMALA DEVI JANSEVA SANSTHAN (REG.)

Reg. Office- Kamuls Farm House, Nawalgarh Road, Sikar 332001 (Rajasthan)
Email. kamulngoskr@gmail.com

पर्यावरण मित्र सम्मान 2026

World Environment Day

कमलादेवी जनसेवा संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन द्वितीय राष्ट्रीय पर्यावरण मित्र सम्मान समारोह

श्री/ सुश्री/ श्रीमती प्रो. (डॉ.) श्यामनंदन प्रसाद (पर्यावरणविद्, समाजसेवी) राज्य पटना, बिहार आपको पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में असाधारण कार्य उपलब्धि, समाज एवं राष्ट्र हित लोक मंगल सेवाओं के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्तर पर 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर "पर्यावरण मित्र सम्मान 2026" से अलंकृत किया जाता है।

संस्थान आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

Certificate No. KDJSS/2026/EFAC.60

Dr. S.K. Fageria
President
Kamul Ek Sahara NGO
Kamala Devi Janseva Sansthan Reg.
Sikar (Rajasthan)

Suman Nehra
Secretary
Kamul Ek Sahara NGO
Kamala Devi Janseva Sansthan Reg.
Sikar (Rajasthan)

पर्यावरणीय संकट से बचाने के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

प्रो. प्रसाद ने इस सम्मान के लिए कमला देवी जनसेवा संस्थान, सीकर (राजस्थान) के संस्थापक डॉ. के. एस. फगेरिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में और अधिक सक्रियता से कार्य करने का हौसला प्रदान करता है।

सनबीम सेंट्रल स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सनबीम सेंट्रल स्कूल, कोसुक में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की भावना तथा सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना था।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता रैली तथा प्रदूषण नियंत्रण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश देकर लोगों को जागरूक किया। विद्यालय के निदेशक धीरज कुमार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण करना चाहिए और पौधों की नियमित देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है।

समारोह के अंत में विद्यालय की ओर से छात्रों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया। साथ ही उन्हें यह संकल्प दिलाया गया कि वे स्वयं पौधे लगाएंगे तथा अपने अभिभावकों और आसपास के लोगों को भी प्रतिवर्ष कम से कम एक फलदार पौधा लगाने के लिए प्रेरित करेंगे।कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक अजीत कुमार, मनोहर कुमार, कौशल कुमार, रोहित राज, आशुतोष भारती, शिवम सिन्हा, जूली कुमारी, सानिया अख्तर, शिवम राज, मदन मोहन प्रसाद, रविशंकर पटेल, नीतीश कुमार, नेहा परवीन, शबिना परवीन, आरती कुमारी, सुधीर कुमार तथा मिथलेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जहानाबाद में एलपीजी आपूर्ति सामान्य, अफवाहों से बचने की अपील

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जहानाबाद जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के निर्देश पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, जहानाबाद ने तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों, गैस एजेंसी संचालकों तथा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जिले की गैस आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया।

बैठक में जिले में कार्यरत सभी 19 गैस एजेंसियों की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर्याप्त है और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे गैस की कमी संबंधी किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें तथा अनावश्यक या पैनिक बुकिंग से बचें।प्रशासन ने कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को गैस आपूर्ति से जुड़ी कोई समस्या होती है तो वह तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकता है। जिले में 24 घंटे संचालित नियंत्रण कक्ष उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए सक्रिय है।

जिला प्रशासन के अनुसार, नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06114-223013 पर प्राप्त शिकायतों का तत्काल निष्पादन कराया जा रहा है। शुक्रवार को नियंत्रण कक्ष में गैस आपूर्ति से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। वहीं वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए विशेष गैस आपूर्ति से संबंधित भी कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जिले में एलपीजी आपूर्ति की लगातार निगरानी की जा रही है और आम जनता को निर्बाध गैस उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान की शुरुआत जहानाबाद सदर के नए प्रखंड सह अंचल परिसर में जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने पौधारोपण कर की। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी परिसर और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। वृक्षारोपण के बाद जिला पदाधिकारी ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी, बाढ़ और सूखे जैसी समस्याओं से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति के नेतृत्व में जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल मिस्त्री, अंचल अधिकारी स्नेहा सत्यम सहित अन्य अधिकारियों ने भी "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना और हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करना था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ ने मनाया पांचवां वार्षिकोत्सव

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। गायत्री परिवार की युवा इकाई प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ, जहानाबाद द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान के पांचवें वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन स्थानीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय रहीं। उनके साथ उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति, एडीएम तथा जिला खेल पदाधिकारी पूनम कुमारी सहित अन्य अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। सभी अतिथियों ने एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का अभियान नहीं, बल्कि जन-जन की भागीदारी से जुड़ा सतत प्रयास है।

प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने बताया कि संस्था पिछले पांच वर्षों से लगातार और नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान चला रही है। संगठन का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना भी है। इसी कारण संस्था का अभियान स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया। सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

वाहन परेड में एसपी ने पुलिस वाहनों की व्यवस्था परखी

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। पुलिस अधीक्षक अपराजिता लोहान ने शुक्रवार को पुलिस केंद्र, जहानाबाद में वाहन परेड का आयोजन कर पुलिस विभाग के वाहनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वाहनों की स्थिति, रखरखाव और अभिलेखों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं वाहन चालकों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने वाहन चालकों एवं पुलिस पदाधिकारियों से कार्ड डायरी, रनिंग बुक, लॉग बुक तथा वाहनों के उपयोग से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वाहनों की परिचालन प्रविष्टियों, रखरखाव रिकॉर्ड, ईंधन उपयोग, यात्रा विवरण और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की अद्यतन स्थिति की भी जांच की।एसपी ने वाहनों के नियमित रखरखाव और बेहतर संचालन व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस वाहनों की कार्यक्षमता कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए सभी वाहनों को हमेशा उपयोग योग्य स्थिति में रखा जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कुछ वाहन खराब एवं अनुपयोगी पाए गए, जिनके शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। साथ ही सभी वाहन दस्तावेजों को समय पर अद्यतन रखने, रिकॉर्ड का पारदर्शी संधारण सुनिश्चित करने तथा वाहनों की नियमित जांच करने का भी आदेश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वाहन प्रबंधन में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पुलिस वाहन निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों और उनकी देखरेख में किसी प्रकार की कमी न रहे।

वाहन परेड का उद्देश्य पुलिस वाहनों की कार्यक्षमता बढ़ाना तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाना बताया गया।

शॉर्ट सर्किट से मोबाइल दुकान में भीषण आग, लाखों की क्षति

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। गया-नवादा रोड स्थित नकटी पुल के समीप शुक्रवार की संध्या एक मोबाइल दुकान में विद्युत शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में दुकान में रखा नगद, मोबाइल फोन, लैपटॉप, प्रिंटर समेत अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित दुकानदार रविशंकर कुमार ने लगभग पांच लाख रुपये से अधिक के नुकसान की बात कही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब छह बजे दुकान से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के दुकानदारों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने सबसे पहले बिजली आपूर्ति बंद कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। टीम की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर शीघ्र काबू पा लिया गया, जिससे आसपास की अन्य दुकानों को नुकसान होने से बचाया जा सका।

दुकानदार रविशंकर कुमार ने बताया कि आग में करीब दो लाख रुपये नकद, लैपटॉप, प्रिंटर तथा सैमसंग और वीवो कंपनी के कई नए मोबाइल फोन जल गए। उन्होंने बताया कि दुकान में आधार आधारित बैंकिंग सेवा के तहत जमा-निकासी का कार्य भी किया जाता था। गल्ले में रखे 500-500 रुपये के कई नोट भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गए।

घटना के बाद फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने जले हुए नोटों एवं क्षतिग्रस्त सामानों की फोटो और वीडियोग्राफी की। दुकानदार ने जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग और बिजली विभाग से आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा देने की मांग की है।

जंगली हाथियों के उत्पात से घर टूटा, फसलें हुईं बर्बाद

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। कौआकोल प्रखंड के नावाडीह गांव में गुरुवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों के हमले से एक घर क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कई किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं। घटना के बाद पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, हाथियों का झुंड गांव के दक्षिणी हिस्से में पहुंच गया और सबसे पहले मिथिलेश यादव (पिता- राजो यादव) के घर को निशाना बनाया। हाथियों ने घर की दीवार तोड़ दी और अंदर रखे गेहूं, चावल तथा मसूर के बोरे नष्ट कर दिए। पीड़ित ने बताया कि इस घटना में लगभग 50 हजार रुपये से अधिक की क्षति हुई है।

हाथियों के झुंड ने इसके बाद आसपास के खेतों में लगी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। श्रवण मिस्त्री (पिता- राम मिस्त्री) कीलगभग एक बीघा में लगी मूंग की फसल को रौंद दिया गया। वहीं राजू यादव के खेत में लगी सब्जियों की खेती भी पूरी तरह नष्ट हो गई।घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य नोमिन्ता कुमारी, समाजसेवी शिक्षक अरुण कुमार तथा प्रभावित किसानों ने वन विभाग और प्रशासन से क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही हाथियों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थायी समाधान निकालने की भी अपील की है।

नूतन उन्नति फाउंडेशन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिलाओं के उत्थान के लिए कार्यरत नूतन उन्नति फाउंडेशन द्वारा संकट मोचन मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में योगदान देना था।कार्यक्रम के दौरान संस्था के डायरेक्टर नूतन बिहारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल वृक्ष लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि असंतुलित भौतिक विकास के दुष्परिणामों से बचने तथा मानव सभ्यता कोसुरक्षित रखने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण समय की मांग है। राखी बरनवाल ने कहा कि वृक्षों के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना अधूरी है। वहीं राखी गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण एवं पेड़ों की अवैध कटाई रोकने के लिए कठोर कदम उठाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सभी लोगों से लगाए गए पौधों की देखभाल करने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लेने की अपील की।

कार्यक्रम में राखी बरनवाल, राखी गुप्ता, सोनी, बबीता, तरुण चौरसिया, बंटी सिंह, अर्चना, पुनीता, अंजू बबली, डॉ. बिन्नी हेमलता, ममता, प्रियंका, पूनम, सुमन, तान्या, अलीशा, अंजू, भवानी, पूनम गुप्ता, रीना वर्मा, संगीता देवी, सविता, स्नेहा, सुषमा, अर्पणा एवं वीणा सहित संस्था के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

युवा व्यवसायी दीपक कुमार के निधन पर बाजार में शोकसभा हुआ आयोजित

संजय वर्मा

नवादा (अपना नालंदा)। कौआकोल बाजार के युवा व्यवसायी एवं फैशन पॉइंट कपड़ा दुकान के संचालक दीपक कुमार के आकस्मिक निधन पर गुरुवार की देर शाम आर्य समाज मंदिर परिसर में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में बड़ी संख्या में व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लेकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दीपक कुमार की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की गई। वक्ताओं ने कहा कि दीपक कुमार एक मिलनसार, मेहनती और व्यवहार कुशल युवा व्यवसायी थे, जिनकी पहचान बाजार में एक सम्मानित व्यापारी के रूप में थी।

बाजार विकास समिति के अध्यक्ष राहुल शुक्ला ने कहा कि दीपक कुमार का असामयिक निधन न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे कौआकोल बाजार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

शोक सभा में देवराज उर्फ राकेश बर्णवाल, पंकज कुमार, दिलीप साव, गुलशन कुमार सहित कई व्यवसायी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी ने दिवंगत के व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थी परिषद ने किया वृक्षारोपण, दिया संरक्षण का संदेश

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) बिहारशरीफ नगर इकाई द्वारा बड़ी पहाड़ी स्थित हिरण्यपर्वत पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर एसएफडी प्रमुख अनमोल कुमार ने किया। इस दौरान परिषद के कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए कई पौधे लगाए और लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संयोजक प्रतीक राज ने कहा कि आधुनिकता और विकास की अंधी दौड़ में वृक्षों की लगातार कटाई से वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आज की युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं हुई तो आने वाले समय में इसकेगंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने सभी युवाओं से प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

नगर अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने परिषद के सभी सदस्यों से अपील की कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रत्येक सदस्य कम से कम एक फलदार या छायादार वृक्ष अवश्य लगाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि पौधे की नियमित देखभाल, सुरक्षा और सिंचाई होती रहे, ताकि वह एक मजबूत वृक्ष बन सके।

इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साहिल मेहता, नगर मंत्री अविनाश कुमार, नगर सह मंत्री विवेक कुमार, सुमित पटेल, राहुल उपाध्याय, अभिजीत कुमार, प्रिंस कुमार, रोहित तिवारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नल के पानी को लेकर विवाद, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया मामला

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के पदुम बिगहा गांव में सरकारी नल से पानी लेने को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने बेन थाना में आवेदन देकर एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

एक पक्ष की पार्वती देवी ने आरोप लगाया है कि तीन जून को उनके गोतिया पक्ष के लोगों ने घर पर चढ़कर गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पति अशोक सिंह और पुत्र सन्नी कुमार के साथ भी लाठी-डंडे से मारपीट की गई। पार्वती देवी का कहना है कि मारपीट के दौरान उनके गले से सोने कीचेन, कान की बाली तथा उनकी पुत्री काजलकुमारी का मंगलसूत्र छीन लिया गया। साथ ही जान से मारने और गांव में नहीं रहने की धमकी भी दी गई।

वहीं दूसरे पक्ष की संगीता देवी ने थाना में दिए आवेदन में कहा है कि सरकारी नल पर पानी लेने के दौरान कहासुनी हुई थी। उनके अनुसार, इसी बात को लेकर अशोक सिंह, सन्नी कुमार, हरेन्द्र कुमार तथा अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बाल पकड़कर घसीटा गया तथा बचाने आई खुशबू कुमारी के साथ भी मारपीट की गई। संगीता देवी ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनके गले से मंगलसूत्र छीन लिया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पास विवाद सुलझा, प्रशासन के आश्वासन पर फिर चला अजंता सर्कस शो

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मेला का नाम सुनते ही लोगों के मन में झूले, मनोरंजन और रंग-बिरंगे कार्यक्रमों की तस्वीर उभर आती है। वहीं जब राजगीर के ऐतिहासिक मलमास मेले की बात होती है तो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की जुबान पर सबसे पहले सर्कस का नाम आता है। हर तीन वर्ष पर आयोजित होने वाले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेले में अजंता सर्कस वर्षों से आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। इस बार भी सर्कस में नए-नए रोमांचक खेल और हैरतअंगेज करतब दर्शकों को खूब लुभा रहे हैं।

इसी बीच गुरुवार को अजंता सर्कस के बंद होने की खबर ने मेले में आए लोगों के बीच चिंता पैदा कर दी। सर्कस प्रबंधन की ओर से कहा गया कि प्रतिदिन लगभग 750 पास वितरित किए जाने के बावजूद दो हजार से अधिक लोग जबरन सर्कस परिसर में प्रवेश कर रहे थे। इससे व्यवस्था बनाए रखना मुश्किल हो रहा था और सर्कस संचालन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

सर्कस मालिक ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि यदि प्रशासन की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिला तो सर्कस को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि सामान समेटकर कोलकाता लौट जाएंगे और भविष्य में कभी भी राजगीर मलमास मेले में भाग नहीं लेंगे। इस घोषणा के बाद सर्कस प्रबंधन ने सामान समेटने की तैयारी भी शुरू कर दी थी।

जैसे ही सर्कस बंद होने की खबर फैली, मेले में आए दर्शकों के बीच निराशा फैल गई। सोशलमीडिया और स्थानीय स्तर पर भी इस मुद्दे की चर्चा होने लगी। लोगों का कहना था कि अजंता सर्कस के बिना राजगीर मलमास मेला अधूरा दिखाई देगा, क्योंकि यह वर्षों से मेले की पहचान का हिस्सा रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन और मेला प्रबंधन तत्काल सक्रिय हुआ। मेला ठेकेदार संजय कुमार सिंह तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने सर्कस प्रबंधन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने सर्कस मालिक को आश्वस्त किया कि किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी जाएगी तथा जबरन प्रवेश करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया कि अनावश्यक पास वितरण बंद कर नियमित टिकट व्यवस्था के तहत दर्शकों को प्रवेश दिया जाए।प्रशासन और मेला प्रबंधन के आश्वासन के बाद सर्कस संचालकों ने अपना निर्णय वापस लेते हुए सर्कस का संचालन जारी रखने की घोषणा कर दी। इसके बाद टिकट काउंटर पर फिर से दर्शकों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं और बड़ी संख्या में लोग सर्कस का आनंद लेने पहुंचने लगे।

दर्शकों का कहना है कि अजंता सर्कस मेले की रौनक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां प्रस्तुत किए जा रहे रोमांचक करतब और मनोरंजक कार्यक्रम बच्चों तथा बड़ों सभी को आकर्षित कर रहे हैं। सर्कस के दोबारा शुरू होने से मेले में उत्साह का माहौल लौट आया है और दर्शकों ने राहत की सांस ली है।

पटवन मोटर से तार एवं कृषि सामान की चोरी, प्राथमिकी दर्ज

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के देवरिया गांव में खेत में लगे पटवन मोटर से तार तथा कृषि कार्य में उपयोग होने वाले सामान की चोरी का मामला प्रकाश में आया है।

थानाध्यक्ष रविराज सिंह ने बताया कि देवरिया गांव निवासी संजय कुमार, पिता योगेश्वर प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर बताया है कि उनके पटवन के लिए लगाए गए मोटर से विद्युत तार एवं कृषि उपयोगी सामान अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया।

मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शीघ्र ही चोरी की घटना का उद्भेदन कर आरोपियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एबीवीपी ने पक्षी मित्र सकोरा अभियान चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राजगीर (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) राजगीर नगर इकाई ने गुरुवार को "पक्षी मित्र सकोरा अभियान" चलाकर पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में पेड़ों पर मिट्टी के सकोरे टांगे और उनमें पानी भरकर पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की।

भीषण गर्मी और जल स्रोतों के लगातार सूखने से पक्षियों को हो रही परेशानी को देखते हुए यह पहल की गई। कार्यकर्ताओं ने लोगों से भी अपने घरों, छतों और मोहल्लों में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की।

इस अवसर पर एबीवीपी के नगर मंत्री सुमंत कुमार ने कहा कि परिषद केवल छात्र हितों तक सीमित संगठन नहीं है, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करती है। उन्होंने कहा कि "पक्षी मित्र सकोरा अभियान" प्रकृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने युवाओं से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीक्षा प्रभात ने कहा कि ऐसे अभियान युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करते हैं। कशिश कुमारी ने इसे मानवीय दायित्व बताया, जबकि गुलशन कुमार ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। दीपक कुमार ने एबीवीपी की इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मानपुर विद्यालय में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राइमरी स्कूल, मानपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के 'कदम' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक सूर्यकांत सिंह कांत ने की। इस अवसर पर कदम बिहार परियोजना की ओर से महेंद्र सिंह, दीपक, अजीत कुमार एवं शालिनी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर में महोगनी, नीम और पीपल के पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व और स्वच्छ वातावरण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया की टीम ने बताया कि पेड़ प्रदूषण को नियंत्रित करने, जलवायु संतुलन बनाए रखने तथा वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। साथ ही सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाए रखने की शपथ भी ली।

विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल के लिए ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया एवं कदम कार्यक्रम की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

"पर्यावरण है हम सबकी जान, इसलिए रखो इसका ध्यान" - जय सर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बी. आर. डिग्री कॉलेज दीपनगर (नालंदा) कॉलेज के डायरेक्टर श्री राम प्रवेश प्रसाद जी के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जय सर ने कहा कि "हम सभी को मिलकर पृथ्वी को प्रदूषित होने से बचाने में अपनी अहम भूमिका निभानी चाहिए, ताकि भावी पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ जीवन मिल सके।" उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, और हम सभी को नियमितरूप से वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने पेड़ों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये न केवल कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करते हैं और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने, मिट्टी की स्थिरता और जल चक्र को नियंत्रित कवच है। उन्होंने लोगों से करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जय सर ने यह भी कहा कि पर्यावरण का संरक्षण ही हमारे जीवन का सुरक्षा अपील की कि 5 जून को केवल पौधारोपण का संकल्प न लें, बल्कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के प्रति भी सजग रहें। कॉलेज के डायरेक्टर राम प्रवेश जी कहते कि "अक्सर लोग पौधे लगाकर भूल जाते हैं, लेकिन वास्तविक जिम्मेदारी पौधों की देखभाल में है।"और उन्होंने ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1972 में पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी और तब से यह दिन दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता के लिए मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल अनिल कुमार जय सर मुकेश कुमार,प्रेम कुमार, कृति सिन्हा स्मृति कुमारी कपिल पंडित सोनू कुमार नागेंद्र कुमार अंकित कुमार आकाश कुमार रविकांत प्रसाद सभी उपस्थित रहे।

विधान परिषद उम्मीदवारों के चयन पर जदयू कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) नालंदा जिला इकाई ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों का स्वागत करते हुए खुशी व्यक्त की है। जिला इकाई ने युवा नेता निशांत कुमार, जिला परिषद सदस्य ललन मंडल, महिला जदयू प्रदेश अध्यक्ष भारती मेहता तथा शिवरानी देवी प्रजापति को उम्मीदवार बनाए जाने पर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया।

जदयू नेताओं ने कहा कि पार्टी हमेशा जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मान और अवसर देने का काम करती रही है। इस बार भी युवा नेतृत्व के साथ-साथ लंबे समय से संगठन में सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है। इससे पूरे बिहार के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है।नेताओं ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हुए कार्यों के कारण बिहार आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की कई विकास योजनाओं का अनुकरण अन्य राज्यों द्वारा भी किया जा रहा है।

जिला जदयू ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष तथा वरिष्ठ नेताओं के प्रति भी आभार व्यक्त किया। साथ ही सभी नवचयनित उम्मीदवारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बधाई देने वालों में जिलाध्यक्ष मो. अरशद, राजेंद्र प्रसाद, डॉ. धनंजय कुमार, गुलरेज अंसारी, धीरज पटेल, जनार्दन पंडित, अजय चंद्रवंशी, संजय पासवान, संजीत यादव, प्रीतम राज, राहुल कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता शामिल रहे।

ठनका गिरने से भैंस की मौत, पशुपालक को हुआ भारी नुकसान

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार को ठनका गिरने से एक भैंस की मौत हो गई। घटना के बाद पशुपालक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।जानकारी के अनुसार, इस्लामपुर के बुढ़ानगर निवासी मालो देवी की भैंस रेलवे स्टेशन से सटे खेत में घास चर रही थी। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया और बारिश शुरू हो गई। बारिश के बीच तेज गर्जना के साथ ठनका गिरा, जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौके पर ही मौत हो गई।मवेशी मालिक मालो देवी ने बताया कि भैंस उनके परिवार की आय का प्रमुख साधन थी। अचानक हुई इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। उन्होंने बताया कि मृत भैंस की कीमत लगभग 75 हजार रुपये थी।

विशेष ग्रामसभा में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का दिया गया संदेश

थरथरी (अपना नालंदा)। जिला प्रशासन के निर्देश पर शुक्रवार को थरथरी प्रखंड की अस्ता पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्रामसभा की अध्यक्षता मुखिया अंजू देवी ने की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।मुखिया अंजू देवी ने कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। यदि समय हते वृक्षारोपण पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में स्वच्छ वातावरण और ऑक्सीजन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने पंचायत को स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए सभी ग्रामीणों से सहयोग की अपील की।

रोजगार सेवक नीति कुमारी ने लोगों से अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। वहीं स्वच्छता पर्यवेक्षक रामाश्रय कुमार ने कहा कि जनभागीदारी से ही स्वच्छता अभियान सफल हो सकता है और ग्राम पंचायत को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है।

ग्रामसभा में पूर्व मुखिया युगेश्वर कुमार, बीएफटी सुरेंद्र कुमार, पंचायत सचिव प्रियांशु कुमार, वार्ड सदस्यगण, स्वच्छता कर्मी बबलू कुमार, राजेश कुमार, रीता देवी, पिंटू शर्मा, धनुष देवी, कोसमी देवी, सुनीत, सुजीत पासवान, दुलारचंद पासवान, अमरजीत कुमार, पप्पू कुमार, उमाशंकर यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नल-जल योजना फेल, 163 परिवारों पर गहराया पेयजल संकट

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-30 में मुख्यमंत्री नल-जल योजना की बदहाल स्थिति को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। भीषण गर्मी के बीच सरस्वती शिशु मंदिर के सामने वाली गली, अजंता स्कूल होते हुए माली टोला, दादाबाड़ी, नवदुर्गा गली और नौवा टोला के लगभग 163 परिवार गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। कई घरों में 10 से 15 दिनों तक पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नल-जल योजना के तहत बिछाई गई मुख्य पाइपलाइन को तकनीकी रूप से सही तरीके से नहीं जोड़ा गया है। मोहल्लावासियों के अनुसार बबन जी की दुकान के समीप पाइपलाइन को बंद कर दिया गया, जबकि जमुना पैलेस के पास पाइपलाइन को आगे बढ़ाकर जोड़ दिया गया। इसके कारण बीच के इलाके में रहने वाले सैकड़ों परिवार जलापूर्ति से वंचित हैं।

लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वार्डपार्षद, मेयर प्रतिनिधि, नगर आयुक्त तथा नगर निगम कार्यालय में कई बार लिखित शिकायत की गई। स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी आवेदन भेजे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम नियमित रूप से पानी का कर वसूल रहा है, लेकिन बदले में उन्हें मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो रही। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है, जिन्हें दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है।

पेयजल संकट से त्रस्त लोगों ने जिला पदाधिकारी से हस्तक्षेप कर जांच कराने और नियमित जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो नगर निगम कार्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा।

नालंदा कॉलेज में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नालंदा कॉलेज, बिहारशरीफ में गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान चलाकर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. मनोज कुमार एवं नालंदा कॉलेज की प्राचार्या प्रो. डॉ. सुनीता सिन्हा ने पौधारोपण कर किया। इस दौरान परिसर के विभिन्न स्थानों पर छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में वृक्षारोपण को जन-आंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है।

प्राचार्या प्रो. डॉ. सुनीता सिन्हा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन और पर्यावरण संतुलन के आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जल एवं ऊर्जा संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण को हरित बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. रघुनाथ प्रसाद कच्छवे, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सर्वदमन कश्यप, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, विनय कुमार, जितेंद्र कुमार सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर कैला पंचायत में विशेष ग्राम सभा

नगरनौसा (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगरनौसा प्रखंड की कैला पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में शुक्रवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता मुखिया शम्भू कुमार ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान ग्रामीणों को कचरा प्रबंधन, स्वच्छ वातावरण के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई।

मुखिया शम्भू कुमार ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने लोगों से घरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई बनाए रखने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों का पालन करने की अपील की।

ग्राम सभा में सरपंच मंटू ठाकुर, उपमुखिया जितेन्द्र प्रसाद, पंचायत सचिव कृष्णा रजक, पंचायत रोजगार सेवक विजय पटेल, न्यायमित्र इन्दुभूषण पाण्डेय, स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार, विकास मित्र रेणु कुमारी, ग्राम कचहरी सचिव, वार्ड सदस्य, स्वच्छता कर्मी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर भी बल दिया गया।

व्यवहार न्यायालय परिसर में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहारशरीफ व्यवहार न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशांत कुमार, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नमिता सिंह, ख्याति सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह सब जज राजेश कुमार गौरव सहित कई न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने न्यायालय परिसर में पौधे लगाकर हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशांत कुमार ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन की आधारशिला है। वृक्ष न केवल प्रकृति की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि ऑक्सीजन, स्वच्छ वायु और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र उपलब्ध कराकर जीवन को सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने सभी न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना था। पौधारोपण के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों ने हरित, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति न्यायपालिका की सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भी प्रतीक बना।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बराह पंचायत में चला हरियाली अभियान, लगाए गए दर्जनों पौधे

हरनौत (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड की बराह ग्राम पंचायत में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। बढ़ती गर्मी, पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण की समस्या से निपटने के उद्देश्य से पंचायत प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने मिलकर इस अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत क्षेत्र को हरा-भरा, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

अभियान की शुरुआत पंचायत के मुखिया और पंचायत सचिव विकास कुमार ने संयुक्त रूप से पहला पौधा लगाकर की। इसके बाद पंचायत के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भीउत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर मुखिया और पंचायत सचिव विकास कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक और सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है।उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करने की भी अपील की।

कहा कि यदि आज हम प्रकृति की रक्षा नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा, स्वच्छ जल और स्वस्थ वातावरण के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।कार्यक्रम में पंचायत सचिव विकास कुमार, कमलेश कुमार, वार्ड सदस्य सुबोध कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

नाले की निकासी बाधित होने से वार्ड छह के लोगों में बढ़ा आक्रोश

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर नगर परिषद के वार्ड संख्या-6 स्थित मलिकसराय मोहल्ले में नाले के पानी की निकासी अवरुद्ध होने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। मोहल्लावासियों का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने सड़क किनारे स्थित गैरमजरुआ जमीन पर मिट्टी भरकर पानी के प्राकृतिक निकास मार्ग को बंद कर दिया है, जिससे जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मलिकसराय के सैकड़ों घरों का पानी वर्षों से बुद्धू गबड़ा में गिरता रहा है। लेकिन हाल ही में निकास मार्ग पर मिट्टी भर दिए जाने के कारण नाले का पानी रुक गया है। इसका असर यह हुआ है कि मोहल्ले के निचले हिस्से में स्थित कई घरों में पानी प्रवेश करने लगा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में वार्ड पार्षद सान्या गुप्ता, दीपू कुमार, अनिकेत कुमार, सूरज मणि सहित दर्जनों स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की कार्यपालक पदाधिकारी पूजा माला को आवेदन देकर समस्या के समाधान की मांग की है। आरोप है कि आवेदन दिए जाने के कई दिन बाद भी प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मोहल्लावासियों का कहना है कि यदि जल्द ही नाले की सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर वे आंदोलन करने को विवश होंगे।

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं नगर परिषद से अविलंब हस्तक्षेप कर जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरनौसा में शुरू हुआ व्यापक पौधारोपण अभियान

नगरनौसा (अपना नालंदा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगरनौसा प्रखंड क्षेत्र में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश देते हुए विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) रंजु कुमारी ने कहा कि लगातार घटते वन क्षेत्र, बढ़ता प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही इसे सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रखंड में योजनाबद्ध तरीके से लगभग 5600 पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही लोगों से पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया।

पीटीए दिनेश कुमार ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और निभाने का अवसर है। यदि आज पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके

दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

वहीं पीटीए मनोज कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से बचने के लिए सभी लोगों को मिलकर अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है।

कार्यक्रम में पीआरएस देवेंद्र कुमार, सत्यम कुमार, संजय कुमार, विजय पटेल, आलोक कुमार, कार्यपालक सहायक सत्येंद्र कुमार तथा सौरभ कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।